ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 4 August 2020

कोरोना वैश्विक महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग पर परिणाम

प्रा.डॉ.मनिषकुमार काशिनाथ कायरकर
अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख
कला वाणिज्य महिला महाविद्यालय,बल्लारपूर

सारांश

कोरोना नामक महामारी सें पुरे विश्व में हडकंप मचा है । इस महामारी ने ना केवल लोगो के स्वास्थ को ही प्रभावित किया है, ब्लकि सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सामान्य जनजीवन पर भी गहरा असर डाला है । स्वास्थ प्रभावित होने का तथा रोजगार भी छीने जाने का लोगो के मन में एक डर बसा हुआ है । महामरी को नियंत्रित करने हेतु लॉकडाउन को अपनाने की वजह से उद्योग, व्यापर, यातायात, धार्मिक स्थल, मनोरंजन के स्थान आदि सभी क्षेत्र प्रभावित हुए है । यह सभी क्षेत्र लॉकडाउन के दौरान बंद होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी आर्थिक नुकसान उठना पड़ रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ के अनुसार भारतीय पर्यटन उद्योग के लिए यह सबसे बुरा समय है । इस क्षेत्र कों कोरोना महामारी के चलते 1.25 खरब रूपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है । होटल, टूर ॲन्ड ट्रेवल कंपनीया, परिवहन सेवा, भोजनालय, लॉज, आदि पर्यटन उद्योग के घटक इस लॉकडाउन की वजह से आर्थिक संकट में है। इस क्षेत्र से जुड़े लगभग 3.8 कर्मचारीयों की नौकरी खतरे में आयी है।

कुंजी शब्द: कोरोना महामारी, लॉकडाउन, पर्यटन उद्योग

प्रस्तावना:

मानव जाति के इतिहास मे अभी तक कई महामारीयों ने मानव समाज को प्रभावित किया है, तथा इसके पूर्व में भी महामारीयों की वजह से कई लोगों की अकाल मृत्यु हो चुकी है, और अभी वर्तमान समय में कोरोना नामक महामारी ने सम्पूर्ण विश्व में मानव समाज के अन्दर एक डर की स्थिति उत्पन्न कर दी है। पुरे विश्व मे कोव्हिड 19 विषाणु ने कोहराम मचाया हुआ है, जिस के कारणवश वैश्विक जनजीवन प्रभावित हुआ है। विश्व स्तर पर कई देश इस महामारी को नियंत्रित करने हेतु प्रयासरत है, परन्तु अभी तक कोई भी इस पर सही तौर पर नियंत्रण नही पा सका है। इस महामारी ने सबको झक-झोरकर रख दिया है। अतिशक्तीशाली अमेरिका हो या फिर फ्रान्स, इटली, इंग्लड जैसे विकसित राष्ट्र हो या फिर भारत जैसे विकासशील देश हो, सभी को चीन से आये हुए इस कोरोना विषाणु ने चिंता में डाल दिया है।

अगस्त 2020 के मध्यतक विश्व मे लगभग दो करोड से भी अधिक लोग इस बीमारी से प्रभावित हुए है। इस महामारी के चलते विश्व मे मरने वालो की संख्या भी लाखो में है। अकेले अमेरिका मे लगभग 54 लाख लोग कोरोना विषाणु से प्रभावित हुए है, जिसमे लगभग 1.5 लाख से भी अधिक लोगो की जान गई है। भारत भी इस महामारी का शिकार हुआ है, और दिन प्रतिदिन भारत में भी कोरोना महामारी संक्रमण तेजीसे बढ रहा है । वर्तमान समय में लगभग 25 लाख से भी अधिक लोग कोरोना महामारी की चपेट में आ चुके है, जबकि, लगभग 48 हजार से अधिक लोगो ने अपनी जाने गँवायी है।

चीन के वुहान शहर से उत्पन्न और सम्पूर्ण विश्व को अपने चपेट में लेने वाले इस विषाणु को नियंत्रित कर मानवसंहार का प्रभाव कम करने हेतु तथा इसके संक्रमण की गति को नियंत्रित करने हेतु लगातार प्रयास जारी है। सामाजिक दुरी बनाये रखना, मास्क का उपयोग करना, बारबार हाथ धोना इन जैसे व्यक्तिगत स्तर पर हो रहे प्रयासो के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास जारी है। खासकर मुख्य रूप से भीडभाड वाले स्थानों की वजह से, लोगों के बीच लगातार आनेवाले आपसी संपर्क की वजह से महामारी के फैलने की गति को नियंत्रित करने हेतु सर्वप्रथम जनता कर्फ्यू और बाद मे मजबुरन लॉकडाउन को लागू किया गया। लॉकडाउन से तात्पर्य है अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र जैसे उद्योग, व्यापार, यातायात सभी प्रकार के व्यवहार

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 4 August 2020

बंद रखना। विश्व में अधिकतर देशों ने इस महामारी के प्रभाव को नियंत्रित करने हेतु लॉकडाउन को कम ज्यादा मात्रा में लागू किया गया । भारत में भी लॉकडाउन को न की लागू ही किया गया, बल्कि समय-समय पर आवश्यकतानुसार बढाया भी गया ।

हालांकि, भारत में कोरोना विषाणु का प्रवेश विश्व की तुलना में थोडी देर से हुआ, लेकिन दिन प्रतिदिन इस महामारी के तीव्र संक्रमण की वृध्दि को देखते हुए भारत में भी तुरंत लॉकडाउन को अपनाया गया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 24 मार्च 2020 को आगे 21 दिनो के लिए लॉकडाउन की घोषणा की गई, और आगे आवश्यकतानुसार इसे बढाया भी गया। इस लॉकडाउन का असर देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और शिक्षा क्षेत्र पर देखने को मिल रहा है। आर्थिक रूप से देखे तो उत्पादन बंद, व्यापार बंद, रोजगार नही, मजदूरी नही, मजदूरों का स्थानांतरण आदि समस्याएं निर्माण हुई है। जिस तरह कोरोना महामारी का और लॉकडाउन का असर अन्य उद्योग-व्यापार पर दिखाई दे रहा है उसी प्रकार उससे भी अधिक असर पर्यटन उद्योग पर दिखाई दे रहा है।

आज विश्व के कई देशो की अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार के रूप में पर्यटन उद्योग का महत्त्व बढता दिखाई दे रहा है। कई देशो की राष्ट्रीय आय में पर्यटन उद्योग का महत्त्पूर्ण योगदान है। उदाहरण के तौर पर मेक्सिको के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान 15.5 प्रतिशत रहा है,जबकि स्पेन और इटली में वह 14.3 और 13 प्रतिशत रहा है। किसी भी प्रकार के वस्तु का उत्पादन न करते हुए भी देश की राष्ट्रिय आय में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाला सेवा उद्योग है। भारत के संदर्भ में विचार करे तो भारत में पर्यटन उद्योग तेजी से विकसित होता हुआ दिखाई दे रहा है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 8.75 करोड लोग भारतीय पर्यटन उद्योग से जुडे हुए है । भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान लगभग 6.8 प्रतिशत है, जबकि लगभग 2.67 करोड लोगों को इस से रोजगार के अवसर प्राप्त हुए है। किन्तु अचानक आये कोरोना महामारी नें पर्यटन उद्योग को बुरी तरह से प्रभावित किया है। वैश्विक स्तर की बात करे तो युरोपीय देशो के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का अहम योगदान रहा है। कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से इन देशो को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है । स्टेटिस्टा के अनुसार दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक मेक्सिको की अर्थव्यवस्था सबसे कमजोर हुई है, क्योंकि मेक्सिको के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान लगभग 16 प्रतिशत है और लॉकडाउन की वजह से पर्यटन यात्रा सम्पूर्ण रूप से प्रतिबंधीत है। इस श्रृखंला में कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग पर क्या असर हुआ है इसे समझना यह इस शोधपत्र का मुख्य उद्देश है।

शोधपत्र के उद्देश:

1) कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास पर हुए परिणाम का अध्ययन करना।

2) कोरोना महामारी का पर्यटन क्षेत्र के रोजगार निर्माण पर हुए परिणाम का अध्ययन करना।

शोधपत्र की मान्यताएं:

1) कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

2) कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग के रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव हुआ है।

शोध पध्दति:

प्रस्तुत शोधापत्र यह गौण जानकारी पर अधारित है। दुसरे दर्जे की जानकारी प्राप्त करने हेतु इस विषय से संबंधित ग्रंथ, भारतीय पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट, WHO की रिपोर्ट, अखबारो में प्रकाशित खबरे आदि का उपयोग किया गया है।

भारतीय पर्यटन उद्योग का स्वरूप:

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 4 August 2020

विगत कुछ वर्षो से भारतीय पर्यटन उद्योग तेजी से प्रगती कर रहा है। भारत को मिले ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक विरासत के साथ ही प्राकृतिक सुंदरता भी प्राप्त हुई है। ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक धरोहर विदेशी पर्यटकों का आकर्षण बिन्दु रहा हैं। पर्यटन के यह सभी स्थान पर्यटन उद्योग की दृष्टि से पर्यटन उत्पाद होते है। देशी विदेशी पर्यटक इन उत्पाद के उपभोक्ता अर्थात ग्राहक होते है।

भारत में आनेवाले विदेशी पर्यटकों की संख्या साल दरसाल बढती जा रही है। 2017 मे लगभग 10.04 मिलीयन विदेशी सैलानीयों ने भारत पर्यटन किया था। 2018 में 10.50 मिलीयन विदेशी पर्यटक भारत में आये थे, जबकि 2019 में लगभग 10 मिलीयन विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों का पर्यटन किया था। विदेशी पर्यटक यह किसी भी राष्ट्र के लिए विदेशी चलन प्राप्ती का एक महत्त्वपूर्ण मार्ग होता है। क्योंकि विदेशी पर्यटक जब आते है तब वह अपने साथ विदेशी चलन लाते है। विदेशी चलन की बात करे तो भारत को पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से 2016-17 में लगभग 15.20 करोड रूपयों का विदेशी चलन प्राप्त हुआ था । 2017-18 मे 15.27 करोड रूपयों का, तो 2018-19 में 18.65 करोड रूपयों का विदेशी चलन प्राप्त हुआ था।

विदेशी सैलानीयों के साथ स्वदेशी सैलानीयों की संख्या भी महत्त्वपूर्ण होती है। क्योंकि स्वदेशी पर्यटको की माध्यम से भी पर्यटन उत्पाद को माँग निर्माण होकर उसका आय और रोजगार पर परिणाम होता है। विगत वर्ष यानि 2019 मे लगभग 1854.93 मिलीयन स्वदेशी पर्यटकों द्वारा भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों का पर्यटन किया था। एक व्यक्ति द्वारा किया हुआ खर्च दुसरे व्यक्ति की आय होती है। इस संबंध को ध्यान में ले तो पर्यटक द्वारा किया जानेवाला व्यय पर्यटन उद्योग की आय होती है। होटल, भोजनालय, रेस्तरां यातयात सेवा, पर्यटन सेवा कंपनी, ऐजेन्ट, गाईड यह सब पर्यटन उद्योग के आंतरिक घटक होकर इन्हे यह आय प्राप्त होती है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान धीरे–धीरे लेकिन लगातार बढता हुआ दिखाई दे रहा है। 2014-15 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान 5.81 प्रतिशत था। जबकि 2015-16 और 2016-17 मे यह प्रतिशत 5.10 एवं 5.06 प्रतिशत था। रोजगार निर्माण के दृष्टि से भी भारतीय पर्यटन उद्योग महत्त्वपूर्ण साबित हो रहा है। पर्यटन उद्योग के माध्यम से निर्माण होने वाले रोजगार के अवसर लगातार बढते नजर आते है। 2016-17 में लगभग 75.34 मिलीयन लोगों को इस माध्यम से रोजगार मिला था जो की देश की कुल रोजगार मे 12.2 प्रतिशत था। 2017-18 और 2018-19 में 80.63 (12.13%) एवं 87.50 (12.75%) मिलीयन लोगों को रोजगार मिला था। इन आकडों से भारतीय पर्यटन उद्योग स्वरूप और महत्त्व स्पष्ट होता है।

भारतीय पर्यटन उद्योग पर कोरोना महामारी का परिणाम:

'न भूतो' ऐसा कोरोना महामारी का कहर पुरे विश्व पर छाया हुआ है। कोरोना विषाणु के इस महामारी ने सम्पूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोरदार नुकसान पहुंचाया है। वैश्विक स्तर पर सभी प्रकार के उद्योग व्यवसायों पर कोरोना महामारी का नकारात्मक परिणाम अनुभव किया जा रहा है। जबकि इन्ही परिणामो में पर्यटन क्षेत्र को ज्यादा क्षति पहुंची है। कोरोना महामारी के चलते अपनाए गये लॉकडाउन की स्थिति में आंतरराष्ट्रिय व राष्ट्रिय यात्रा पर पाबंदी लगायी गई। जिसका सीधा असर पर्यटन उद्योग पर पड़ा, पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचा है। केयर रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से भारतीय पर्यटन उद्योग को वर्ष 2020 में लगभग 1.25 खरब रूपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है ।

'पर्यटक' यह पर्यटन उद्योग की दृष्टि से अत्याधिक महत्त्वपूर्ण घटक माना जाता है, क्योंकि पर्यटन सेवा उद्योग के लिए जो माँग पैदा होती है, वह पर्यटकों द्वारा किए जाने वाले व्यय की वजह से ही होती है । इसलिए पर्यटन उद्योग के विकास की दृष्टि से पर्यटकों की संख्या महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। बुस्कार्ट के अनुसार '' पर्यटन उद्योग की आय और अस्तित्व यह पर्यटकों द्वारा किए जाने वाले खर्च पर निर्भर होती है।'' कोरोना महामारी के चलते भारत में आनेवाले विदेशी सैलानीयों की संख्या बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 4 August 2020

जनवरी 2020 में 1118150 (1.3 प्रतिशत वृध्दि) विदेशी पर्यटकों ने भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों की यात्रा की, जबकि यह संख्या जनवरी 2019 में 1103380 इतनी थी। मार्च 2019 में भारत की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों की यह संख्या 978236 इतनी थी, तो यही संख्या मार्च 2020 में 328462 इतनी रही । इसका अर्थ है कि, लगभग 66 प्रतिशत पर्यटकों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में कम हुई है। जनवरी से मार्च 2020 इस समयावधि का विचार करने पर इस समयावधि में 2462244 विदेशी पर्यटक भारत में आये तो सन 2019 में इसी समयावधि में यह संख्या 3179792 इतनी रही, इसका अर्थ जनवरी से मार्च 2019 की अपेक्षा 2020 में पर्यटकों की संख्या में 22.4 प्रतिशत कमी आयी। इसके पश्चात यानि मार्च 2020 के बाद अबतक लॉकडाउन की वजह से किसी भी प्रकार की यात्रा को अनुमति न होने की स्थिती में देशी तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या विगत चार पाच महिनों से करीब-करीब न के बराबर रही है।

भारतीय पर्यटन उद्योग के माध्यम से मिलनेवाले राजस्व पर भर लॉकडाउन का असर देखने को मिलेगा । केयर रेटिंग्स के रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग 40 प्रतिशत राजस्व में गिरावट आने की संभावना है। इसी रिपोर्ट के अनुसार केवल अप्रेल-जून इस तिमाही में लगभग 69400 करोड रूपयों का नुकसान भारतीय पर्यटन उद्योग को सहना पड़ सकता है ।

किसी भी प्रकार के पर्यटन यात्रा को अनुमति न होने की वजह से विदेशी पर्यटकों का भारत में आना बंद हो गया। इस समय में भारत में जो विदेशी सैलानी थे उन्हे भी अपने-अपने देश वापस जाने को कहा गया। पर्यटकों की संख्या में आयी कमी का परिणाम पर्यटन उद्योग की आय पर तथा विदेशी चलन प्राप्ती पर निश्चित रूप से दिखाई दे रहा है। 2018-19 में 194881 करोड रूपयो का विदेशी चलन भारत को प्राप्त हुआ था। मार्च 2020 से लॉकडाउन की वजह से विदेशी पर्यटकों के लिए पर्यटन यात्रा बंद होने के कारण विदेशी चलन की प्राप्ती नही के बराबर है। सीआईआई की पर्यटन समिती के अनुमान के अनुसार देश को लगभग एक अरब डॉलरर्स से भी अधिक विदेशी चलन का नुकसान हो सकता है।

वास्तविक रूप से पर्यटन उद्योग के माध्यम से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कई रोजगार के अवसर पैदा होते है। ऐसा कहा जाता है कि, जब किसी एक पर्यटन यात्री की गाडी रास्ते से गुजरती है, तब सामान्य रूप से वह 12 लोगों को रोजगार प्रदान करती है। इस संबध में विचार करने पर रोजागर निर्मिती की दृष्टि से पर्यटन उद्योग का महत्त्व ज्ञात होता है। 2018-19 में 87.50 मिलीयन लोगों को इस से रोजगार मिला था। कोरोना काल में लॉकडाउन की वजह से पर्यटन सेवा उद्योग के घटक होटल, भोजनालय, रेस्तरां यातयात सेवा, पर्यटन सेवा कंपनी, आदि विभिन्न माध्यम से मिलने वाले प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर छीन लिए गये है। रोजगार के नये अवसर तो पैदा नही हुए लेकिन जो अवसर थे वह भी छीन लिए गये है। होटल व्यवसायी, यातायात व्यवसायी सभी ने आय की कमी की वजह से कर्मचारीयों को वेतन न दे सकने का कारण जताते हुए कर्मचारीयों को काम पर से कम कर दिया है । नौकरी से निकाले जाने की वजह से इनकी आय की कमी के चलते उदरनिर्वाह की समस्या इनके सामने पैदा हुई है।

एक तरफ पर्यटन उद्योग के आंतरिक घटक होने वाले होटल, भोजनालय, रेस्तरां यातयात सेवा, पर्यटन सेवा कंपनी चलानेवाले, इनके साथ ही पर्यटन स्थल के स्थानों पर जो छोटे खुर्दरा व्यापारी, विक्रेता होते है उनकी आय इस लॉकडाउन की वजह से पुरी तरह से नष्ट हुई है। इन छोटे खुर्दरा व्यापारी, विक्रेताओ में खादय पदार्थ बेचने वाले, खिलोने बेचने वाले, अन्य प्रकार की वस्तुएं बेचकर अपनी रोजाना जिंदगी चलानेवालो के सामने आय की कमी की वजह से जीवनयापन की समस्या पैदा हुई है।

भारत में पर्यटन से संबधित जानकारी ध्यान में लेने पर ऐसा दिखाई देता है की, साधारण रूप से प्रतीवर्ष लगभग 1 करोड से भी अधिक विदेशी सैलानी भारत की यात्रा करते है। इसमें मार्च-अप्रेल के समय में आनेवाले पर्यटकों की संख्या यह 15 से 20 प्रतिशत होती है। किन्तु इसी समय में कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगाने की वजह से हवाई जहाज कंपनीयों को अपनी बुकींग रद्द करनी पडी इसका सीधा और गहरा असर हवाई जहाज कंपनीयों पर हुआ है। कभी क्षतीपूर्ती न होने वाली हानि हुई है, आय में भी भारी गिरावट आयी है। यही स्थिति होटल मालिको की भी है। इस दौरान कई होटल की बुकींग रद्द हुई जिससे

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 4 August 2020

होटल मालिको को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पडा है। टूर ऑपरेटरर्स को अपने टूरर्स रद्द करने पडे है, उनका भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

कुल कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास पर प्रतिकुल परिणाम हुआ है। पर्यटन उद्योग के विभिन्न घटको की आय एवं रोजगार में भारी कमी आयी है। कोरोना महामारी के संबंध में लोगो के मन मे डर की भावना बहुत गहरी होने की वजह से आने वाले समय में जब परिस्थिति धीर–धीरे सामान्य हो जायेगी तब भी लोगों को इस डर की भावना से बाहर निकलने मे काफी समय लगेगा। इस वजह से स्थिति में पर्यटन उद्योग को अपने मुल रूप मे आने के लिए साल देढ साल का समय लग सकता है। ऐसी परिस्थिति में पर्यटन उद्योग से संबधित रोजगार पर निर्भर लोगों के सामने जिवनयापन की समस्या और गहरी होने की संभावना को नकारा नही जा सकता।

निष्कर्ष एवं समापन:

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट होता है की, कोरोना महामारी का भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास पर विपरीत परिणाम हुआ है। साथ ही इस से संबधित रोजगार पर भी नकारात्मक परिणाम हुआ दिखाई देता है। पर्यटन उद्योग कई लोगों को रोजगार दिया है, साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इन सभी बातो को ध्यान में रखते हुए पर्यटन उद्योग को इस संकट की घडी से बाहर निकालने हेतु सरकार को अन्य उद्योगो को दिये जानेवाली सहायता की तरह पर्यटन उद्योग को भी सहायता देनी चाहिए। करो में छुट, आर्थिक सहायता, अनुदान, बुनियादी सुविधाओं आदि के माध्यम से पर्यटन व्यवसाय को अपने पुर्व स्थिति में लाने का प्रयास करना होगा।

संदर्भ सूची :

1. जोशी अतुल,जोशी महिमा और अमित कुमार,भारत में आधुनिक पर्यटन, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2010
2. कपूर बिमल कुमार, पर्यटन के सिध्दांत,रजत प्रकाशन,नई दिल्ली,2008
3.पर्यटन उद्योग पर कोरोना की मार, हजारों करोड़ के नुकसान की आशंका Mar 12, 2020, 05.56 PM IST
https://economictimes.indiatimes.com/hindi/wealth/personal-finance/corona-hits-tourism-industry-fearing-loss-of-thousands-of-crores/printarticle/74595894.cms dt.16/8/20
4. Coronavirus Affecting Tourism: कोरोना वायरस से पड़ रहा है टूरिज़म पर गहरा असर! Publish Date:Sat, 21 Mar 2020 08:49 AM (IST)
https://www.jagran.com/lifestyle/travel-tourism-how-coronavirus-pandemic-is-affecting-heritage-tourism-20124203.html dt.16/8/20
5. RBI Review Report: कोरोना और लॉकडाउन का प्रभाव देश के भविष्य पर 'काली छाया' जैसा
https://www.sanjeevnitoday.com/business/rbi-review-report-corona-and-the-impact-of-lockdown-on-the-future-of-the-country-as-specter/20200409/343677/ dt.16/8/20
6. The Impact of covid-19 on Travel & Tourism Industry in India and its Future by Nidhi Singh,Dt.30/4/ 20
https://www.tourmyindia.com/blog/impact-of-covid-19-on-travel-tourism-industry/12 aug.2020
7. Impact of Covid-19 on Indian Tourism Industry,by Opinion Administrators3, Dt.30 june 2020
https://www.indianfolk.com/impact-covid-19-indian-tourism-industry/ dt.12 aug.2020
8. Ministry of Tourism ,Government of India
http://tourism.gov.in/market-research-and-statistics dt.11 aug.2020
9. कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हुआ पर्यटन उद्योग,करोडों लोगों के सामने रोजगार संकट
https://www.amarujala.com/amp/business/business-diary/coronavirus-impact-tourism-industry-affected-crores-people-worried-about- dt.13 aug.2020
10 . WHO Conornavirus Disease(COVID-19) Dashboard Data last updated: 2020/8/14, 3:37pm CEST
https://covid19.who.int/

Copyright @ 2020 Authors